प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली, दिनांक: 25 जनवरी 2021

एनएचएसआरसीएल (NHSRCL) ने मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए 28 स्टील पुलों की खरीद और निर्माण के लिए अनुबंध किया

'मेक इन इंडिया' स्टील के पुल भारतीय इस्पात उद्योग और संबद्ध उद्योगों को बढ़ावा देंगे

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ((NHSRCL)) ने आज मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए के लिए रेलवे लाइनों, नदियों, राजमार्गों, सड़क तथा अन्य संरचनाओं (पी-4 पैकेज) को पार करने के लिए 28 स्टील पुलों (सुपर स्ट्रक्चर) की खरीद और निर्माण का ठेका दिया है।

1390 करोड़ रुपये मूल्य का अनुबंध लार्सन एंड टुब्रो-आइएचआई इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम्स (कंसोर्टियम) को दिया गया है। यह भारतीय और जापानी कंपनियों का एक कंसोर्टियम है।

अनुमान है कि इन स्टील पुलों के निर्माण के लिए लगभग 70,000 मीट्रिक टन स्टील का उपयोग किया जाएगा तथा भारतीय इस्पात उद्योगों और उनकी संबद्ध आपूर्ति श्रृंखलाओं को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। इन स्टील पुलों के निर्माण के लिए भारतीय स्टील उत्पादक, उच्च कोटि का इस्पात प्रदान करेंगे। भारत के पहले हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की इतनी बड़ी मांग को पूरा करने के लिए एनएचएसआरसीएल (NHSRCL) ने पहले ही इस्पात उद्योगों को सतर्क कर दिया है।

एनएचएसआरसीएल (NHSRCL) ने पहले से ही 64% एमएएचएसआर (MAHSR) संरेखण के सिविल निर्माण-कार्य के लिए ठेका दे दिया है जिसमें पांच (5) एचएसआर स्टेशन (वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, आनंद / नडियाद), सूरत में ट्रेन डिपो और 350 मीटर की एक पर्वतीय सुरंग शामिल है।

अतिरिक्त सूचना:

508 किमी की कुल लंबाई में से, मुंबई अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (MAHSR) की अधिकतम दूरी को वियाडक्ट द्वारा कवर किया जाएगा, जिसमें मुंबई के पास 21 किमी लंबी सुरंग शामिल नहीं है। कई स्थानों पर MAHSR का वियाडक्ट (487किमी) राष्ट्रीय राजमार्गों, समर्पित फ्रेट कॉरिडोर ट्रैक्स (DFC), भारतीय रेलवे ट्रैक्स और नदियों पर होकर गुजरेगा। अधिकांश वियाडक्ट कंक्रीट (PSC बॉक्स, गर्डर) से बनेंगे हालांकि, जहां स्पैन की आवश्यकता 60 मीटर से अधिक होगी, स्टील सुपरस्ट्रक्चर की योजना बनाई गई है, क्योंकि एक बिंदु से परे पीएससी संरचनाएं भारी हो जाती हैं और स्टील सुपरस्ट्रक्चर को अधिक व्यवहार्य और कुशल माना जाता है।

स्टील के पुलों निर्माण में भारतीय कंपनियों को शामिल करने का निर्णय

कुल मिलाकर, 28 स्टील पुलों का, 60 मीटर से 130 मीटर तक अलग-अलग स्पैन के साथ, परियोजना के लिए निर्माण किया जाएगा। एक साथ सभी स्टील के पुलों की लंबाई लगभग 4.5 किमी होगी और उनके निर्माण में 70,000 टन से अधिक इस्पात शामिल होगा। इस उद्देश्य के लिए, प्रारंभिक अवस्था में,

स्टील सुपर स्ट्रक्चर का काम जापान लीड (JV) कंपनियों को सौंपा गया था, क्योंकि उच्च गति रेलवे के लिए उच्च गुणवत्ता वाले जापानी मानकों के स्टील सुपर स्ट्रक्चर्स पुलों का निर्माण आवश्यक था। लेकिन जब "मेक इन इंडिया" संभावना ने उड़ान भरी और जैसा कि अन्य सभी रेलवे परियोजनाओं के लिए भारतीय कंपनियों द्वारा इस्पात संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है, वैसे ही एनएचएसआरसीएल ने भारतीय कंपनियों के लिए भी स्टील स्ट्रक्चर फैब्रिकेशन बोली में हिस्सा लेने की संभावना में दिलचस्पी ली।

भारतीय कंपनियों के लिए भी स्टील अधिरचना कार्यों में हिस्सा लेने के लिए जापानी पक्ष के साथ चर्चा के लिए एनएचएसआरसीएल, भारतीय विशेषज्ञों और जेआरटीटी, दोनों भारतीय और जापानी पक्ष के विशेषज्ञों से युक्त एक उच्च-शक्ति समिति का गठन मार्च, 2019 में किया गया था। समिति का मुख्य कार्य विभिन्न भारतीय फैब्रिकेटरों की क्षमता का आकलन करना था और यह सुनिश्चित करना था कि उन्हें उक्त कार्य सौंपा जा सकता है या नहीं। समिति को भारतीय फैब्रिकेटर्स में आवश्यक सुधारों की सिफारिश करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी, ताकि उनकी निर्माण गुणवत्ता जापानी और वैश्विक एचएसआर मानकों के बराबर हो।

अगले कुछ महीनों में, समिति ने अपनी क्षमताओं का आकलन करने के लिए भारत में विभिन्न कारखानों का दौरा किया और कुछ प्रतिष्ठित फैब्रिकेटर्स के साथ उनकी बुनियादी सुविधाओं, गुणवत्ता नियंत्रण प्रणालियों, उनकी श्रमशक्ति के कौशल और रेलवे स्टील ब्रिज फैब्रिकेशन में पिछले अनुभव के बारे में बातचीत की। इन सब के अलावा, समिति ने अक्टूबर 2019 में जापान में इस्पात निर्माण सुविधाओं का भी दौरा किया।

समिति ने उल्लेख किया कि स्टील के पुलों का निर्माण भारतीय निर्माण कंपनियों द्वारा किया जा सकता है क्योंकि उनके पास सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं और अत्यधिक कुशल मानव संसाधन और एक व्यवस्थित मानव-प्रशिक्षण प्रणाली के समर्थन से आवश्यक गुणवत्ता स्तर प्राप्त किया जा सकता है।

भारतीय कंपनियां सीख कर, प्रशिक्षण द्वारा जापानी स्टील पुलों की समान तकनीकी और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता प्राप्त कर सकती हैं। कुछ अग्रणी भारतीय कंपनियों के पास पहले से ही इस स्तर के निर्माण के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा है। तकनीशियनों, इंजीनियरों, निर्माण श्रमिकों को उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण, प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और कौशल विकास मानकों से अवगत कराया जाएगा जो एचएसआर पुल निर्माण और फैब्रिकेशन के लिए आवश्यक हैं। जापान और अन्य देशों से व्यवस्थित इनपुट जिन्होंने एचएसआर का निर्माण किया है, वर्कफ़्लो सिस्टम को बढ़ाने में आगे सहायता कर सकते हैं और निर्धारित मानकों को पूरा करने के लिए यहां कार्यबल को उन्नत कर सकते हैं। इसे प्राप्त करने के लिए, टेंडर में उल्लिखित कुछ अतिरिक्त शर्तों को नीचे बताया गया है।

निविदा विनिर्देश के लिए मजबूत, व्यवहार्य और कुशल संरचना

इस प्रयोजन के लिए, इन पुलों के निर्माण के लिए निविदा विनिर्देश में एक मजबूत, व्यवहार्य और कुशल संरचना निर्धारित की गई थी। जापान में अपनाई जाने वाली कई अच्छी प्रथाओं को **विनिर्देश** में शामिल किया गया है। काम में शामिल भारतीय फैब्रिकेटर्स को प्रत्येक निर्माण सुविधा में कम से कम एक अनुभवी अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को शामिल करना अनिवार्य कर दिया गया है। यह प्रक्रिया के हर चरण में गुणवत्ता और कौशल विकास के उचित रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए किया गया है। इसी तरह, फैब्रिकैटर तथा वेल्डर के लिए प्रमाणन प्रणाली भी निर्धारित की गई है।

निविदा दस्तावेज में शामिल विशिष्ट प्रावधान:

- वेल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (WRI), त्रिची में वेल्डर का प्रशिक्षण और प्रमाणन
- परीक्षण, निरीक्षण और प्रमाणन में सक्षमता के साथ स्वतंत्र परीक्षा निकाय (IEB)
- सटीकता और गति के लिए कम्प्यूटरीकृत न्यूमेरिकल कंट्रोल (सीएनसी) मशीनों का अनिवार्य उपयोग
- तकनीकी सटीकता और गुणवत्ता प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए ठेकेदार द्वारा निरंतर आधार पर अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों को नियुक्त करना
- इस्पात और निर्माण के लिए सख्त टालरेन्स सहित विनिर्देश
- परीक्षण व्यवस्था का कार्यान्वयन (गुणवत्ता आश्वासन योजना)

मेक इन इंडिया

भारतीय कंपनियों को स्टील फैब्रिकेशन खोलने से न केवल लागत में कमी आएगी, बल्कि यह व्यापार के "मेक इन इंडिया" पहलू को भी बढ़ावा देगा और परिणामस्वरूप देश में निर्माण के मानकों को उन्नत करेगा। भारतीय तकनीशियनों का उन्नत कौशल "मेक फॉर वर्ल्ड" का मार्ग प्रशस्त करेगा और वैश्विक मानचित्र पर विश्वसनीय, लागत प्रभावी और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के निर्माण के लिए भारतीय कंपनियों को खड़ा करेगा।

Sushma Gaur
Spokesperson/NHSRCL
Ph: 9810296813

***